वेदाध्ययनम्/वेदाध्ययन

(345)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्रम्/

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्र

पूर्णांका:/ पूर्णांक – 20

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।

(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) उषादेव्या: सौन्दर्यकल्पनाविषये लिखत। (दृष्टव्यम्-1)

(ख) वेदप्रामाण्यं विषये संक्षेपेण लिखत। (दृष्टव्यम्-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) उषा देवी की सौन्दर्य कल्पना के विषय में लिखिए। (देखें-पाठ-1)

(ख) वेद प्रामाण्य के विषय में संक्षेप में लिखिए। (देखें-पाठ-1)

2. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) दशममंडले भाषागत भेदं लिखत। (दृष्टव्यम्-2)

(ख) लौकिकसूक्तानि विषये संक्षेपेण लिखत। (दृष्टव्यम्-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) दशवें मण्डल के भाषागत भेद लिखिए। (देखें-पाठ-2)

(ख) लौकिक सूक्तों के विषय में संक्षेप में लिखिए। (देखें-पाठ-2)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) **'**स्वरितो वानुदात्ते पदादौ**'** इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। (दृष्टव्यम्-8)

(ख) **'**उदात्तस्वरितयोर्यणः स्वरितोऽनुदात्तस्य**'** इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। (दृष्टव्यम्-8)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) **'**स्वरितो वानुदात्ते पदादौ**'** इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-8)

(ख) **'**उदात्तस्वरितयोर्यणः स्वरितोऽनुदात्तस्य**'** इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। (देखें-पाठ-8)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) 'अनुदात्तं च' इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। एकमुदाहरणपि प्रदर्शयत। (दृष्टव्यम्-9)

(ख) 'स्वरितात्संहितायामनुदात्तानाम्' इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। एकमुदाहरणपि प्रदर्शयत। (दृष्टव्यम्-9)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) 'अनुदात्तं च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। एक उदाहरण भी प्रतिपादित कीजिए। (देखें-पाठ-9)

(ख) 'स्वरितात्संहितायामनुदात्तानाम्' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। एक उदाहरण भी प्रतिपादित कीजिए। (देखें-पाठ-9)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) 'तिङि चोदात्तवति' इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। एकमुदाहरणपि प्रदर्शयत। (दृष्टव्यम्-14)

(ख) 'हि च' इत्यस्य सूत्रस्य व्याख्यां कुरुत। एकमुदाहरणपि प्रदर्शयत। (दृष्टव्यम्-14)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) 'तिङि चोदात्तवति' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। एक उदाहरण भी प्रतिपादित कीजिए। (देखें-पाठ-14)

(ख) 'हि च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए। एक उदाहरण भी प्रतिपादित कीजिए।

(देखें-पाठ-14)

6. **अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत।** **6**

(क) इन्द्रसूक्तस्य कः ऋषिः, किं छन्दः, का च देवता। इन्द्र सूक्तस्य महत्त्वं विस्तरेन् वर्णयत। (दृष्टव्यम्-16)

(ख) इन्द्रस्य स्वरूपं विस्तरेण वर्णयत। (दृष्टव्यम्-16)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए।

(क) इन्द्र सूक्त का ऋषि, देवता और छंद लिखिए। इस सूक्त के महत्त्व कपों विस्तार से रेखांकित कीजिए। (देखें-पाठ-16)

(ख) इन्द्र के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए। (देखें-पाठ-16)